

शंबली स्त्री. (तत्.) कुटनी, स्त्रियों का एक प्रकार।

शंबा पुं. (फा.) शनिवार।

शंबूक पुं. (तत्.) 1. शंख 2. घोंघा 3. एक दैत्य 4. हाथी की सूँड का अग्रिम भाग 5. एक व्यक्ति जिसका विशेष कारण से त्रेतायुग में राम ने वध किया।

शंभ पुं. (तत्.) 1. इंद्र का वज्र 2. मूसल की सामी 3. कल्याणकारी।

शंभली स्त्री. (तत्.) 1. कुटनी, स्त्रियों का एक प्रकार।

शंभु पुं. (तत्.) 1. शिव 2. ब्रह्मा 3. ऋषि का नाम 4. विष्णु 5. ग्यारह रुद्रों में प्रधान रुद्र 6. बुद्ध 7. सिद्ध पुरुष 8. सफेद आक का वृक्ष 9. एक वर्णवृत्त वि. समृद्धिकारक, आनंददायी, आह्लादकारी।

शंभुलोक पुं. (तत्.) शिवलोक, कैलास।

शंसन पुं. (तत्.) 1. प्रशंसा करना 2. वर्णन 3. कथन।

शंसनीय वि. (तत्.) 1. प्रशंसा करने योग्य, प्रशंसनीय 2. वर्णन करने योग्य, वर्णनीय 3. कथनीय 4. मंगल करने वाला।

शंसा स्त्री. (तत्.) 1. प्रशंसा, श्लाघा 2. वर्णन 3. इच्छा, आशा 4. आवृत्ति।

शंसित वि. (तत्.) 1. जिसकी प्रशंसा की गई हो, प्रशंसित 2. जो कहा गया हो, बोला गया हो, कथित, घोषित 3. निश्चित 4. इच्छित 5. स्थापित, निर्धारित 6. जिस पर झूठा दोष लगाया गया हो, निंदित, कलंकित।

शंसी पुं. (तत्.) 1. प्रशंसा करने वाला, कहने वाला 2. भविष्यवक्ता।

शंस्य वि. (तत्.) 1. प्रशंसा करने योग्य, प्रशंसनीय, स्तुति करने योग्य 2. चाहने योग्य 3. वर्णनीय, कथनीय।

शऊर पुं. (अर.) 1. अच्छे ढंग से काम करने की योग्यता या बुद्धि 2. अक्ल।

शक पुं. (तत्.) 1. एक देव का नाम 2. एक राजा 3. एक जनजाति मध्य एशिया की एक प्राचीन

अनार्य जाति जो शक द्वीप पर रहती थी, उसे म्लेच्छों में गिना जाता था 5. काल, संवत् (जो ईसा सन् से 78 वर्ष पश्चात् तथा विक्रम संवत् से 1356 वर्ष पश्चात् प्रारम्भ हुआ) पुं. (अर.) शंका, संदेह वि. शक्की।

शकट पुं. (तत्.) 1. एक भार ढोने की गाड़ी जिसे पशु अथवा मनुष्य खींचता है, छकड़ा 2. बैलगाड़ी, भैसागाड़ी 3. गाड़ी भर बोझ के बराबर एक तोल इकाई 4. एक राक्षस जिसका श्रीकृष्ण ने वध किया था, भगवान श्री कृष्ण की बाल-लीलाओं में शकटासुर-वध शामिल है 5. एक वृक्ष विशेष 6. शरीर, देह।

शकटव्यूह पुं. (तत्.) शकट के आकार की सैन्य-रचना जो प्राचीन युद्ध विद्या में अपनाई जाती थी।

शकटार पुं. (तत्.) 1. चाणक्य ने नंदवंशीय अन्तिम सम्राट महानंद के जिस प्रधानमंत्री को अपनी ओर मिलाकर नंदवंश को समाप्त किया था 2. एक शिकारी पक्षी।

शकटारि पुं. (तत्.) शकट नामक असुर का वध करने वाले श्री कृष्ण।

शकटासुर पुं. (तत्.) शकट नामक असुर (जिसे कंस द्वारा कृष्ण को मारने के लिए गोकुल भेजा गया था परन्तु कृष्ण ने उन्हें मार गिराया था)।

शकटाह्वा स्त्री. (तत्.) ज्यो. में एक नक्षत्र रोहिणी।

शकटिका स्त्री. (तत्.) 1. छोटी बैलगाड़ी 2. बच्चों के खेलने की खिलौना-गाड़ी 3. घोड़ा-गाड़ी, ताँगा।

शकठ पुं. (तत्.) मचान।

शकर स्त्री. (तद्. > शर्कर/फा.) कच्ची चीनी, शर्करा, खाँड, बूरा।

शकरकंदी स्त्री. (फा.) एक प्रकार का कंद जिसका आकार मोटी मूली की आकृति का, मटमैले रंग का और स्वाद मीठा होता है तथा इसे उबालकर अथवा भूनकर खाया जाता है।

शकरखोर वि. (फा.) शक्कर खाने वाला।